

an>

Title: Demand for restoration of vegetation destroyed due to the road construction in Rajasthan.

**श्री सुमेधानन्द सरस्वती (सीकर):** अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। ...(व्यवधान) मैं आपका ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। ...(व्यवधान) हमारे यहां सड़कों का चौड़ाकरण होता है, फोर लेन सड़कें बनती हैं। ...(व्यवधान) बहुत ही मेहनत के साथ पेड़ तैयार किए जाते हैं, लेकिन 50-50 साल पुराने पेड़ों को काट दिया जाता है। ...(व्यवधान) परिवहन मंत्रालय कंपनियों के साथ एमओयू करता है कि जितने पेड़ काटेंगे, उसके बराबर पेड़ लगाएं। ...(व्यवधान) मैंने राजस्थान में, मेरे डिस्ट्रिक्ट, मेरे लोक सभा क्षेत्र में सर्वे करवाया। ...(व्यवधान) कंपनियां फार्मलिटीज पूरी करती हैं, पेड़ नहीं लगाती हैं। ...(व्यवधान)

मेरा माननीय पर्यावरण मंत्री और सड़क परिवहन मंत्री से निवेदन है कि उन पेड़ों को काटने की अपेक्षा, जैसे कई देशों में एक तकनीकी प्रयोग की जाती है कि पेड़ को उखाड़कर दूसरे स्थान पर लगाया जा सकता है। ...(व्यवधान) इन कंपनियों के साथ बहुत सख्ती से पेश आना चाहिए, ताकि वे ठीक ढंग से पेड़ लगाएं और उनकी केयर करें, ताकि पर्यावरण की सुरक्षा हो। ...(व्यवधान) यही मेरा निवेदन है। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :**

श्री येड़मल नागर,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री आलोक संजर, और

श्री भैंरों प्रसाद मिश्र को श्री सुमेधानन्द सरस्वती द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€“(व्यवधान)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned up to 2.00 p.m.

**12.53 hours**

*The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.*